REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 13 | ISSUE - 1 | OCTOBER - 2023

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र/छात्राओं का अध्ययन

मनीष कुमार नामदेव[1] , डॉ. भरत कुमार विश्वकर्मा[2]
[1]शोधार्थी शारीरिक शिक्षा, लाइफ लॉंग लर्निंग विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,रीवा (म.प्र.)
[2]विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, श्रीयुत महाविद्यालय, गंगेव, जिला रीवा (म.प्र.)

सारांश –

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक उपादानों एवं वर्तमान दौर के परिवेश में छात्रों के उज्जवल भवष्य की एक स्तम्भ को इन महाविद्यालयों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी शासकीय महावद्यालयों अर्थात् 67 महाविद्यालयों में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ कर दिया गया है। निश्चय ही नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम रीवा संभाग के सभी जिलों के छात्र–छात्राओं के चतुर्दिक विकास एवं उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। सम्भाग के गैर–शासकीय महाविद्यालयों अर्थात् कुल 175 अशासकीय महाविद्यालयों से भी छात्र–छात्राओं को नयी शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रशिक्षण प्रदान किये जा रहे हैं, जिससे जिले के सभी शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक स्तर समुन्नत होगा और वे रोजगरोन्मुख होने की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जिसका परिणाम होगा कि इससे जिले की बेरोजगारी के दर में कमी होने की संभावना है। विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरूआत के साथ–साथ स्थानीय प्रतिभाओं/जिले की स्थानीय प्रतिभाओं को राज्य व देश स्तर पर प्रसारित करने के लिए स्टार्ट–अप के लिए आर्थिक सहयोग भी मुहैया कराया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत देश में सुप्रसिद्ध सुपाड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। विश्वविद्यालय द्वारा विगत वर्ष से इन्क्यूबेशन सेन्टर को स्थापित कर जिले के महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अच्छे अवसर सुलभ कराये जा रहे हैं।

मुख्य शब्द – विश्वविद्यालय, अग्रणी महाविद्यालय, खिलाड़ी छात्र एवं छात्रायें।

प्रस्तावना –

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की कार्यप्रणाली, शैक्षणिक उपादानों एवं वर्तमान दौर के परिवेश में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की एक स्तम्भ को इन महाविद्यालयों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी शासकीय महावद्यालयों अर्थात् 67 महाविद्यालयों में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ कर दिया गया है। निश्चय ही नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम रीवा संभाग के सभी जिलों के छात्र–छात्राओं के चतुर्दिक विकास एवं उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। सम्भाग के गैर–शासकीय महाविद्यालयों अर्थात् कुल 175 अशासकीय महाविद्यालयों से भी छात्र–छात्राओं को नयी शिक्षा

नीति 2020 के तहत प्रशिक्षण प्रदान किये जा रहे हैं, जिससे जिले के सभी शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक स्तर समुन्नत होगा और वे रोजगरोन्मुख होने की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जिसका परिणाम होगा कि इससे जिले की बेरोजगारी के दर में कमी होने की संभावना है। विश्वविद्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरूआत के साथ–साथ स्थानीय प्रतिभाओं/जिले की स्थानीय प्रतिभाओं को राज्य व देश स्तर पर प्रसारित करने के लिए स्टार्ट–अप के लिए आर्थिक सहयोग भी मुहैया कराया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत देश में सुप्रसिद्ध सुपाड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। विश्वविद्यालय द्वारा विगत वर्ष से इन्क्यूबेशन सेन्टर को स्थापित कर जिले के महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अच्छे अवसर सुलभ कराये जा रहे हैं।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 55 वर्ष पूर्ण कर 56 वर्ष में पहुंच गया है, इस वर्षीय वृद्धि के दौरान विश्वविद्यालय ने अपने परिक्षेत्र में अशासकीय महाविद्यालयों की सम्बद्धता की संख्या में निरन्तर वृद्धि करता रहा है। आज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों की तादात दिन–प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है जिसका सुफल यह है कि रीवा सम्भाग के अग्रणी, नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों के महाविद्यालयों में छात्र–छात्राओं के प्रशिक्षण की प्रक्रियाओं में काफी परिवर्तन किया जा चुका है और जिले के इन महाविद्यालयों से खिलाड़ी छात्र–छात्राओं को उनमें उन्मुखी जीवन के आयामों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है।

विश्लेषण –

रीवा संभाग के अग्रणी महाविद्यालयों में खिलाड़ी छात्र–छात्राओं के प्रशिक्षण से सम्बद्ध सभी आवश्यक सुविधायें उपलब्ध होने के कारण ऐसे महाविद्यालयों में छात्र–छात्राओं का प्रवेश वर्षवार अधिक रहता है, जिससे अग्रणी महाविद्यालय का विकास निरन्तर गति से होता जा रहा है। इसकी तुलना में जिले के नगरीय महाविद्यालयों के खिलाड़ी छात्र–छात्राओं के माध्यम से संबंधित सुविधायें कम नहीं होती है, अतएव रीवा संभाग के नगरीय महाविद्यालय भी आज खिलाड़ी छात्र–छात्राओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करने की ओर अग्रसर हो गये हैं, ताकि जिले के ऐसे संस्थानों में छात्र–छात्राओं का प्रतिशत अन्य महाविद्यालयों की तुलना में अधिक हो, इसके लिए राज्य सरकार भी प्रतिबद्ध है कि रीवा संभाग के खिलाड़ी एवं गैर–खिलाड़ी छात्र–छात्राओं को महाविद्यालयीन शिक्षा हेतु दूरस्थ क्षेत्रों में न जाना पड़े। रीवा संभाग के ग्रामीण महाविद्यालयों में भी खिलाड़ी एवं गैर–खिलाड़ी छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण देने से संबंधित सभी आवश्यक सुविधायें आज उपलब्ध होने के कारण ही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के महाविद्यालयों में भी छात्र–छात्राओं के प्रवेश का स्तर निरन्तर प्रतिवर्ष बढ़ता जा रहा है। इस प्रकार अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में विशेष कर शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दशाओं का आकलन करने के लिए समग्र महाविद्यालयों में प्रतिदर्श प्रविधि के आधार पर सात अग्रणी महाविद्यालय, सात नगरीय महाविद्यालय एवं सात ग्रामीण महाविद्यालयों अर्थात् कुल 21 महाविद्यालयों का सविचार विधि से चयन कर अग्रणी महाविद्यालयों में से प्रत्येक महाविद्यालय से 30 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं का चयन कर कुल 30×7=210 छात्रों का चयन किया गया है, जिनका बिन्दुवार विवरण इस प्रकार है–

अग्रणी महाविद्यालयों के खिलाड़ी छात्र–छात्रायें –

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध रीवा संभाग से एक–एक करके कुछ सात महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की समाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक एवं अन्य गतिविधियों का आकलन करने के लिए प्रत्येक अग्रणी महाविद्यालयों से 30–30 छात्रों का चयन कर कुल 210 छात्रों से सर्वेक्षण का कार्य करते समय साक्षात्कार अनुसूची के उपयोग द्वारा प्राथमिक समंकों का संग्रहण कर वर्गीकृत करने के साथ–साथ सारणीबद्ध किया गया है, जिनका विवरण क्रमशः निम्नानुसार है–

(i) अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक स्तर : अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध रीवा संभाग के अग्रणी महाविद्यालयों में से कुल 07 महाविद्यालयों का चयन कर प्रत्येक

महाविद्यालय से 30–30 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं का चयन कर सर्वेक्षण का कार्य करते समय साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से उनके शैक्षिक स्तर का आकलन करने हेतु प्राथमिक तथ्यों को संकलित कर वर्गीकरण के साथ सारणी क्रमांक 1 में प्रस्तुत कर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है, जो इस प्रकार है–

सारणी क्रमांक 1

अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक स्तर

क्रमांक	प्रश्न का विवरण	उत्तरदाताओं के अभिमतों का विवरण	
		संख्या	प्रतिशत
1.	स्नातक स्तर के	142	67.62
2.	स्नातकोत्तर स्तर के	68	32.38
	कुल योग	210	100.00

स्रोत – व्यक्तिगत सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 1 से सुस्पष्ट होता है कि यह अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं के शैक्षणिक स्तर से संबंधत है। शोधकर्ता द्वारा चयनित 210 उत्तरदाताओं में 142 उत्तरदाताओं ने बतलाया कि शैक्षणिक स्तर स्नातक है, जिनके प्रतिशत 67.72 है और 68 उत्तरदाताओं ने अपना शैक्षणिक स्तर स्नातकोत्तर बतलाया है, जिनके प्रतिशत 32.38 है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की सर्वाधिक शैक्षणिक स्नातक स्तर का है। महाविद्यालयों में अध्ययनरत ये खिलाड़ी छात्र–छात्राएँ शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद में रूचि दिखा रहे हैं।

(ii) अग्रणी महाविद्यालय से पठन–पाठन एवं खेल विधा का प्रतिशत – रीवा संभाग के अग्रणी महावद्यालयों से पठन–पाठन कर रहे खिलाड़ी छात्र–छात्राओं द्वारा उस महाविद्यालय में खेल की विधा के प्रशिक्षण से संबंधित वास्तविक स्थिति का आकलन करने हेतु प्राथमिक स्तर पर चयनित कुल 210 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं से सर्वेक्षण करते समय प्राथमिक समंकों को साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से एकत्रित कर सारणी क्रमांक 2 में प्रस्तुत कर अध्ययन किया गया है, जो क्रमशः इस प्रकार है–

सारणी क्रमांक 2

अग्रणी महाविद्यायों में अध्ययनरत खिलाड़ी एवं खेल की विधा के प्रशिक्षण का स्तर

क्रमांक	प्रश्न का विवरण	उत्तरदाताओं के अभिमतों का विवरण	
		संख्या	प्रतिशत
1.	अति उत्तम है	83	39.52
2.	सामान्य उत्तम है	49	23.33
3.	उत्तम	68	32.38
4.	उत्तम नहीं	10	4.76
	कुल योग	210	100.00

स्रोत – व्यक्तिगत सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 2 को देखने से प्रतीत होता है कि यह अग्रणी महाविद्यालयों में अध्ययपरत खिलाड़ी एवं क्षेत्र की विधा के प्रशिक्षण के स्तर से संबंधित है। शोधकर्ता द्वारा चयनित कुल 210 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं में 83 खिलाड़ियों ने खेल की विधा के प्रशिक्षण के स्तर को अतिउत्तम बतलाया है, जिनके प्रतिशत 39.52 है, 49 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने खेल की विधा के प्रशिक्षण स्तर को सामान्य उत्तम बतलाया है, जिनके प्रतिशत 23.33 है, 68 खिलाड़ियों छात्र–छात्राओं ने खेल की विधा के प्रशिक्षण स्तर को उत्तम बताये

जिनके प्रतिशत 32.38 है और 10 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने खेल की विधा के प्रशिक्षण स्तर को उत्तम नहीं बतलाया, जिनके प्रतिशत 4.76 है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि रीवा संभाग के अग्रणी महाविद्यालयों से चयन किये गये सबसे अधिक खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने क्षेत्र की विधा के प्रशिक्षण स्तर को अति उत्तम बतलाया है।

(iii) अग्रणी अग्रणी महाविद्यालय में खेल की गतिविधियों/प्रशिक्षण कार्यक्रम की स्थिति – जिले के अग्रणी महाविद्यालयों में खेल की गतिविधियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के आनुभाविक दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए प्राथमिक स्तर पर जिले के कुल सात अग्रणी महाविद्यालयों से चयनित कुल 210 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं से सर्वेक्षण का कार्य करते समय साक्षत्कार अनुसूची का प्रयोग कर प्राथमिक तथ्यों का संग्रहण किया गया ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि रीवा संभाग के अग्रणी महाविद्यालय में खेल की गतिविधियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति खिलाड़ी छात्र–छात्राओं की स्थिति में कैसी है। अतएव प्राथमिक समंको को वर्गीकृत करते हुए सारणी क्रमांक 3 में प्रस्तुत कर विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है, जो निम्नानुसार है –

सारणी क्रमांक 3

अग्रणी महाविद्यालयों में खेल की गतिविधियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति

क्रमांक	प्रश्न का विवरण	उत्तरदाताओं के अभिमतों का विवरण	
		खिलाड़ी छात्र संख्या	प्रतिशत
1.	बहुत अच्छा	78	37.14
2.	सामान्य अच्छा	65	30.95
3.	अच्छा	52	24.76
4.	अच्छा नहीं	15	7.15
कुल योग		210	100.00

स्रोत – व्यक्तिगत सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 3 को देखने से प्रतीत होता है कि यह अग्रणी महाविद्यालयों में खेल की गतिविधियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थिति के विवरण से संबंधित है। शोधकर्ता द्वारा चयन किये गये कुल 210 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं में 78 छात्रों ने, खेल की गतिविधियों को बहुत अच्छा बताया, जिनके प्रतिशत 37.14 है, 65 खिलाड़ी छात्रों ने खेल की क्रियाकलापों को सामान्य अच्छा बतलाया, जिनके प्रतिशत 30.95 है, 52 खिलाड़ी छात्रों ने खेल की गतिविधियों को अच्छा बतलाया, जिनके प्रतिशत 24.76 है और 15 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने खेल की गतिविधियों को अच्छा नहीं बताया, जिनके प्रतिशत 7.15 है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सर्वाधिक चयनित खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने स्वीकारा है कि खेल के गतिविधियाँ बहुत अच्छा है।

(iv) अग्रणी महाविद्यालय में पठन–पाठन एवं खेल की गतिविधियों का आकलन – रीवा संभाग के सभी जिले के अग्रणी महाविद्यालयों में पठन–पाठन एवं खेल की गतिविधियों का मूल्यांकन करने के लिए प्राथमिक स्तर पर चयनित खिलाड़ी छात्र–छात्राओं से सर्वेक्षण का कार्य करते समय साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से मैलिक तथ्यों को संकलित किया गया है, जिससे यह सुस्पष्ट किया जा सके कि जिले के अग्रणी महाविद्यालयों में पठन–पाठन एवं खेल की गतिविधियाँ कैसी है। इनसे संबंधित मौलिक तथ्यों को सारणी क्रमांक 4 में प्रस्तुत कर विश्लेषण किया गया है –

सारणी क्रमांक 4

अग्रणी महाविद्यालयों के पठन–पाठन एवं खेल की गतिविधियों का विवरण

क्रमांक	प्रश्न का विवरण	खिलड़ी छात्र–छात्राओं के अभिमतों का संग्रहण	
		खिलाड़ी छात्र संख्या	प्रतिशत
1.	बहुत अच्छा	82	39.05
2.	सामान्य अच्छा	70	33.33
3.	अच्छा	53	25.24
4.	अच्छा नहीं	5	2.38
	कुल योग	210	100.00

स्रोत – व्यक्तिगत सर्वेक्षण

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 4 को देखने से स्पष्ट होता है कि यह अग्रणी माविद्यालयों में पठन–पाठन एवं खेल की गतिविधियों के विवरण से संबंधित है। शोधकर्ता द्वारा चयन किये गये कुल 210 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं में 82 खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने बताया कि खेल और पठन–पाठन की गतिविधियाँ बहुत अच्छी है, जिनके प्रतिशत 39.5 है, 70 खिलाड़ी छात्र–छात्राएँ सामान्य अच्छा बताया, जिनके प्रतिशत 33.33 है, 53 खिलाड़ी छात्र–छात्राएँ पठन–पाठन व खेल गतिविधियों को अच्छा बतलाया, जिनका प्रतिशत 25.24 है और 5 खिलाड़ी छात्र–छात्राएं पठन–पाठन एवं खेल गतिविधियों को अच्छा नहीं बताया जिनके प्रतिशत 2.38 है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि चयनित सबसे अधिक खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने अग्रणी महाविद्यालयों में पठन–पाठन एवं खेल गतिविधियों को बहुत अच्छा बतलाया।

निष्कर्ष –

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि रीवा संभाग से चयनित महाविद्यालयों के सर्वाधिक खिलाड़ी छात्र–छात्राओं द्वारा यह स्वीकारा गया है कि राज्य स्तर पर खेलों का प्रदर्शन अभी तक नहीं किये हैं। खिलाड़ी छात्र–छात्राओं द्वारा खेलों का प्रदर्शन राज्य स्तर पर न होकर अभी तक महाविद्यालय स्तर पर प्रदर्शन किये हैं। चयनित 630 में सिर्फ 268 महाविद्यालय में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र–छात्राएँ अभी तक राज्य स्तर पर प्रदर्शन किये हैं। अतएव महाविद्यालयीन सर्वाधिक खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने अपने शैक्षणिक संस्थाानों में ही खेलों का प्रदर्शन किया है।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. सिंह, अजमेर – शारीरिक शिक्षा तथा ओलम्पिक अभियान, कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली, संस्करण 2004, पृष्ठ 65
2. अक्तेकर, ए.एस. एवं मुकर्जी, आर.के. – प्राचीन भारत में शिक्षा, कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली, संस्करण 2004, 25 पृष्ठ
3. माहेश्वरी, आर.बी. – मध्यप्रदेश साहित्य सम्मेलन, रविशंकर शुक्ल अभिनंदन ग्रंथ, सुबोध प्रेस, नागपुर, संस्करण 1955, पृष्ठ 85
4. शर्मा, आर.ए. – टेक्नोलॉजी ऑफ टीचिंग, इण्टरनेशनल पब्लिकेशन, मेरठ, संस्करण 1980, पृष्ठ 101
5. अवस्थी, ए.पी. – मध्यप्रदेश में स्थानीय प्रशासन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, प्रथम संस्करण 2004, पृष्ठ 83
6. अटवाल, सिंह, आर. एवं यादव, आर.के. – भारत में शारीरिक शिक्षा का इतिहास, अमित ब्रदर्स पब्लिकेशन, नागपुर, संस्करण 2006, पृष्ठ 35
7. कोठारी, एस.एल. एवं कोठारी, एम. – परिमाणाात्मक पद्धतियाँ, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, संस्करण 2003, पृष्ठ 60